तापमान
अधिकतम 34 .0 डिग्री
न्यूनतम 17 .0 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार, 8 अप्रैल , 2024

11 जरूरतमंदों के लिए की फ्री एंबुलेंस सेवा प्रारंभ

12 समाज कल्याण संगठन ने किया पौधरोपण

खबर संक्षेप

पिकअप से 204 पेटी अवैध शराब बरामद

खरखौदा। क्राइम यूनिट, गन्नौर की टीम ने कंवाली-नरेला मार्ग से एक पिकअप में भरी अवैध शराब बरामद की है। टीम ने पिकअप चालक को भी पकड़ा है, जोकि जेजे कालोनी, उत्तर पश्चिमी दिल्ली का रहने वाला सोनू है। जिसने बताया है कि वह दिल्ली के राहुल के लिए शराब तस्करी का काम करता है। खरखौदा पुलिस ने क्राइम यूनिट, गन्नौर में तैनात एसआइ चांद की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। एसआइ चांद का कहना है कि उनकी टीम कंवाली मोड़ के पास गश्त कर रही थी कि उन्हें अवैध शराब से भरी एक गाड़ी मंडौरा के रास्ते नहरों के पास से दिल्ली जाने की सूचना मिली। जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और केएमपी के पुल के नीचे से एक पिकअप गाड़ी को पकड़ा। जिसमें अंग्रेजी व देशी मार्कों की 204 पेटी शराब बरामद हुई। पिकअप चालक ने खुद की पहचान जेजे कालोनी, उत्तर पश्चिमी दिल्ली का रहने वाले सोनू के रूप में दी।

पति पर मारपीट का आरोप, केस दर्ज

गन्नौर। पटेल नगर में रहने वाली युवती ने अपने पति पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस को दी शिकायत में सुशीला ने आरोप लगाया कि उसका पति सुरेश कुमार मारपीट कर गंदी-गंदी गालियां देने के साथ मानसिक रुप से प्रताड़ित करता है। आरोप है कि गत 31 दिसंबर को मेरे पति ने अपने भाई उमेद और भाभी बाला के कहने पर घर का ताला लगाकर मारपीट की। उसने डायल 112 पर काल करके पुलिस को बुलाया और अंदर से ताला खुलवाया। शिकायत में महिला ने बताया कि पहले भी कई बार शिकायत दर्ज करवाई है लेकिन आज तक कोई सुनवाई नही हुई है।

जरूरतमंद लड़की की शादी में सामान भेंट

सोनीपत। इनर व्हील क्लब स्वर्ण सोनीपत की तरफ से एक अनाथ लड़की की शादी में आवश्यक वस्तुएं 11 जोड़ी कपड़े बर्तन कुकर मिक्सी अटैची ज्वैलरी सेट, पर्स सैंडल बिस्तर राशन सामग्री व 5100 नगद धनराशि दान दी। इस दौरन क्लब प्रधान नीतू दहिया उप प्रधान उषा भड़ारी, सुमन, सीमा, सुशीला, संतोष, वर्षा, पुष्पा, मंजू छिक्कारा सहित अमेरिका के डा. नरेश कपूर का विशेष योगदान रहा। इनर व्हील क्लब स्वर्ण समय समय पर समाज को बेहतर बनाने के लिए कार्य करता रहता है।

मंडी में गेहूं की आवक शुरू, छुट्टी होने के चलते नहीं हो पाई खरीद

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

करीब 1500 क्विंटल गेहूं पहुंचा, ओपन मार्केट में भाव 2280 रुपए प्रति क्विंटल चल रहा

सोनीपत-खरखौदा सड़क मार्ग पर स्थित नई अनाज मंडी में गेहूं की खरीद प्रक्रिया शुरू होने के बाद अब सोनीपत अनाज मंडी में गेहूं की आवक भी शुरू हो गई है। रविवार को सोनीपत अनाज मंडी में करीब 1500 क्विंटल गेहूं पहुंचा। छुट्टी के चलते गेहूं की सरकारी खरीद नहीं हो पाई। रविवार को सरसों की खरीद प्रक्रिया भी अवकाश की वजह से बंद रही। वहीं खुली बोली में गेहूं की फसल 2280 रुपए प्रति क्विंटल रही, जोकि न्यूनतम समर्थन मूल्य से 5 रुपए अधिक थी। बता दें कि रबी खरीद सीजन की प्रमुख फसल गेहूं की बिजाई जिले में किसानों ने इस बार करीब 1 लाख 50 हजार हैक्टेयर भूमि में की गई है। मौजूदा समय में अधिकतर क्षेत्रों में गेहूं की फसल पककर तैयार हो चुकी है और किसान गेहूं की कटाई में जुट गए है। ऐसे में अब सोनीपत अनाज मंडी में भी गेहूं की आवक शुरू हो गई है।

- फसल में नमी की मात्रा मिल रही नियम से ज्यादा
- दो लाख एकड़ भूमि की उपज का पंजीकरण

फसल में नमी की मात्रा अधिक, सुखाने में लगे रहे किसान

रविवार को सोनीपत अनाज मंडी में पहुंचे गेहूं में नमी की मात्रा तय मानकों से काफी अधिक रही। ऐसे में कई जगहो पर किसानों को अपना गेहूं उतारने के बाद फैलाना पड़ा। वहीं बता दे कि सरकार उन्हीं किसानों का गेहूं खरीदती है, जिन किसानों ने मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर फसलों का पंजीकरण किया हुआ है। जिले में 2 लाख एकड़ से अधिक भूमि का पंजीकरण मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर हो चुका है।

गेहूं में नमी की मात्रा अधिक

मंडी में रविवार को करीब 1500 क्विंटल गेहूं पहुंचा था। लेकिन सरकारी खरीद के लिए कोई नही पहुंचा। अभी गेहूं में नमी भी अधिक है। ऐसे में ओपन मार्केट में भाव 2280 रुपए प्रति क्विंटल ही रहा। किसानों का आह्वान किया गया है कि साफ व कम नमी वाला गेहूं लेकर मंडी में पहुंचे। ताकि उनकी फसल को खरीदने में कोई परेशानी सामने न आए।

संजय वर्मा, आढ़ती, सोनीपत अनाज मंडी

बेटे को गलत रास्ते पर चलने से रोका तो मां के पेट में धारदार हथियार से हमला करके हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

खेड़ी मनाजात में कपूत की करतूत, दीवार फांदकर फरार हो गया मां का हत्यारोपी

गांव खेड़ी मनाजात में महिला के पेट में धारदार हथियार से वार कर उनकी हत्या कर दी। हत्या का आरोप उनके इकलौते बेटे पर लगा है। मामले की सूचना के बाद पहुंची कुंडली थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया है। शव का पोस्टमार्टम सोमवार को कराया जाएगा। शुरुआती जांच में पता लगा है कि महिला ने बेटे को गलत रास्ते पर चलने से रोका था। जिसके चलते तैश में उसने वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

गांव खेड़ी मनाजात निवासी निर्मला (49) रविवार दोपहर बाद अपने घर पर थी। उनके पति बलराज बाहर गए थे। जब वह घर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। उन्होंने दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन दरवाजा नहीं खोला गया। इस पर वह दीवार फांदकर अंदर गए तो आंगन में उनकी पत्नी निर्मला लहूलुहान हालत में पड़ी थी। उनका बेटा नवीन छत के रास्ते दीवार फांदकर भाग गया था। महिला के पति बलराज परिजन संग अपनी पत्नी को लेकर अस्पताल में पहुंचे, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह उन्हें लेकर वापस आ गए। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। जिस पर एसीपी मुकेश जाखड़ व थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। महिला के शरीर पर धारदार हथियार के चार-पांच निशान हैं। जिसके बाद शव को नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया। पुलिस ने मामले में बलराज के बयान पर उसके बेटे नवीन के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

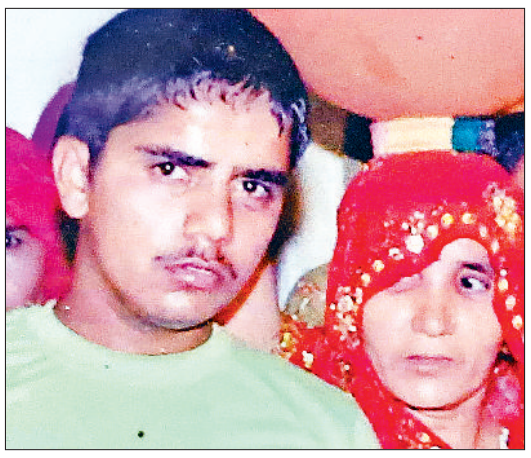

सोनीपत। मां के साथ हत्यारोपित। (फाइल फोटो)

सोनीपत। महिला की हत्या के बाद घर में पसरा सन्नाटा।

इकलौता बेटा है नवीन

बलराज के पास दो बेटियां व एक बेटा है। जिनमें दो बेटियों योगिता व रविता की शादी हो चुकी है। इकलौता बेटा नवीन (28) है। घटना से परिजनों के साथ ही ग्रामीण भी स्तब्ध है। परिजनों का रोकर बुरा हाल है।

दो केस दर्ज हो चुके थे

परिजनों ने बताया कि नवीन गलत संगत में पड़ गया था। जिसके चलते वह अपराध भी करने लगा। नवीन के खिलाफ गुरुग्राम में अवैध शस्त्र अधिनियम में मुकदमा दर्ज हुआ था। एक अन्य मुकदमा मारपीट का भी बताया गया है। परिवार के सदस्य इकलौते बेटे को अक्सर समझाते थे। मां उसे गलत रास्ते पर जाने से रोकती रहती थी। जिससे तैश में आकर घटना को अंजाम दिए जाने की बात कही जा रही है।

पति की शिकायत पर केस दर्ज

गांव खेड़ी मनाजात में महिला की धारदार हथियार से हमला कर हत्या की गई है। महिला के पति ने बेटे पर हत्या का आरोप लगाया है। जिस पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। महिला के शरीर पर चार से पांच निशान मिले हैं। आरोपी को जल्द काबू किया जाएगी। **-देवेंद्र कुमार,** थाना प्रभारी, कुंडली

घरों से गमले व हुक्का चोरी करने वाले काबू

सोनीपत। शहर थाना पुलिस ने घरों से गमले, हुक्का व कस्सी चोरी करने की वारदात में शामिल दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित सुमित व विकास उर्फ मोनू निवासी ककरोई सोनीपत के है। पुलिस ने आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

- पुलिस ने आरोपितों को अदालत में किया पेश, न्यायिक हिरासत में जेल भेजा

सेक्टर-23 निवासी पवन ने गत 5 अप्रैल को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह सोनीपत कोर्ट में बतौर अधिवक्ता के तौर पर कार्य करता है। वह कोर्ट में गया हुआ था। उसके पास घर से फोन आया कि उसके प्लॉट सेक्टर-23 के सामने रखे गमले, हुक्का व कस्सी को किसी ने चोरी कर लिया है। घर पर पहुंचने के बाद जांच की तो कोई अज्ञात उसके फ्लैट में फैसिंग हटाकर अंदर घुसकर सामान चोरी करके ले गए। पुलिस ने इस संबंध में शहर थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक जसबीर की टीम ने दो आरोपितों को काबू कर लिया। उनेक पास से चोरी किए गमले, हुक्का व कस्सी बरामद किए है। आरोपितों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

महिला के सिर पर ईंट मारी, पति और लड़के के साथ की मारपीट

गोहाना। शहर में शिव नगर में दो परिवारों के बच्चों में कहासुनी चल रही है। इसी की रंजिश में झगड़ा हो गया। एक पड़ोसी ने दूसरे परिवार की महिला के सिर में ईंट मारकर उसे घायल कर दिया गया। उसके पति व बेटे से भी मारपीट की। महिला को नागरिक अस्पताल गोहाना से बीपीएस राजकीय महिला मेडिकल कालेज के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। शहर थाना गोहाना में मामला दर्ज किया गया।

शिव नगर की रमेश कुमारी ने पुलिस को बताया कि उसके पड़ोसी राममेहर के साथ उसके बच्चों की कहासुनी हो गई थी। दोबारा से कहासुनी होने पर पुलिस को फोन करके सूचना दी। उसका बेटा अनिल व पति मदनलाल बाइक पर पुलिस को लेने जा रहे थे। पीछे से राममेहर के बेटे कुलदीप ने आवाज देकर उसके बेटे व पति को रोक लिया। उसके बाद राममेहर के स्वजन उसके पति व बेटे से झगड़ा करने लगे। वह भी शोर सुनकर घर से बाहर आई। इसी दौरान राममेहर के परिवार से एक महिला न ईंट उठाकर उसके मुंह और सिर में मारी। उसके पति व बेटे मारपीट की गई। पड़ोसियों ने बीच बचाव करवाया। रमेश को स्वजन अस्पताल लेकर गए।

ड्रग तस्करी के आरोप में चार गिरफ्तार

सोनीपत। देश में लोक सभा चुनाव को लेकर चुनाव आचार संहिता के बीच पुलिस टीम मादक पदार्थ तस्करों पर शिकंजा कस रही है। स्पेशल एंटी गैंगस्टर यूनिट व सीआईए की टीमों ने चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 25 किलो 200 ग्राम चूरापोस्त व 5 किलो 170 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ बड़ी व कुंडली थाना में अलग-अलग मुकदमे दर्ज कराए है।

स्पेशल एंटी गैंगस्टर यूनिट, सेक्टर-7 में नियुक्त एएसआई संदीप कुमार ने बताया कि उनकी टीम बड़ी औद्योगिक क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। तभी सूचना मिली कि तीन युवक

गांव बड़ी के सरकारी स्कूल के पास खड़े है। वह दो बैग में मादक पदार्थ लिए हुए हैं और बेचने की फिराक में घूम रहे है। जिस पर टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मौके पर जाकर जांच की तो तीन युवक खड़े दिखाई दिए। पुलिस ने युवकों को काबू कर लिया। उनके पास दो बैग थे। उन्होंने अपनी पहचान उत्तर प्रदेश के जिला बदायूं के गांव मकरंदापुर के बलबीर व शिवकुमार तथा शाहजहांपुर के गांव राजनपुर के जगतपाल के रूप में दी। पुलिस ने उनकी तलाशी के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट उप आबकारी एवं कराधान अधिकारी पूजा गोयत से संपर्क किया। उनकी मौजूदगी में युवकों के बैग की तलाशी ली तो बलबीर के बैग से 7 किलो 600 ग्राम चूरापोस्त मिली। वहीं जगतपाल व शिवकुमार के पकड़े बैग से 17 किलो 600 ग्राम चूरापोस्त मिली। वह चूरापोस्त को लेकर कोई लाइसेंस नहीं दिखा सके। जिस पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों के खिलाफ बड़ी औद्योगिक क्षेत्र थाना में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खेड़ी गुज्जर में युवक के साथ मारपीट, गांव के युवकों पर आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

गांव खेड़ी गुज्जर के युवक ने गांव के कुछ युवकों के साथ मारपीट करने के मामले में गन्नौर थाना पुलिस में मामला दर्ज करवाया। पुलिस को दी शिकायत में गौत्तम ने बताया कि गांव के युवक रामबीर, धर्मबीर, विश्वास, रजत, सन्दीप ,ओमबीर व अन्नु ने मार पीट की है। शिकायत में बताया कि 4 अप्रैल की शाम 7 बजे में अपने चचेरे भाई सोनू के साथ टैन्ट का सामान लेने के लिए टैन्ट वाले के पास ले कर जा रहे थे तो रास्ते में रामबीर का मकान आया। उसने हमारा ट्रैक्टर रुकवा

कर सभी व्यक्ति अपने घर से बाहर आए और मारपीट करने लगे। शिकायत में आरोप है कि वे नाली के उपर पहिया चढ़ाने को लेकर मारपीट करनी शुरू कर दी तभी वहां पर मेरा चाचा चैनपाल व मेरा पिता राजपाल आ गए, जब मेरे पिता ने मारपीट के बारे में पूछा तो उसके साथ भी मारपीट करने लगे और सिर फोड़ दिया। उनके हाथ में लाठी व डंडे थे।

ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में सरीना का किया गया स्वागत

टेनिस चैंपियनशिप में सरीना गहलोत ने जीता एकल खिताब

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) की प्रतिभाशाली लान टेनिस खिलाड़ी सरीना गहलोत ने बिलबिलान के शांतिमा लॉन टेनिस अकादमी में आयोजित एआईटीए टेनिस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए लड़कियों का एकल खिताब जीतकर सोनीपत जिला व हरियाणा प्रदेश का नाम रोशन किया है।

ऐसे चला मुकाबला

सरीना ने लड़कियों के सीएस-7 अंडर-16 आयु वर्ग के फाइनल मुकाबले में अनन्या मलिक को 6-1, 1-6 व 6-1 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। सरीना को उसके शानदार प्रदर्शन के लिए स्कूल में उसका जोरदार स्वागत किया गया।

हैदराबाद में आयोजित ऑल इंडिया नेशनल टेनिस टूनार्मेंट में भी जलवा

इसके अलावा हैदराबाद में आयोजित आल इंडिया नेशनल सीरीज टेनिस टूनार्मेंट में भी सरीना ने लड़कियों की अंडर-12 आयु वर्ग में एकल व युगल खिताब जीतकर नेशनल चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया था। स्कूल स्टाफ व प्रबधंन की तरफ से इस सफलता के लिए सरीना के कोच व अभिभावकों को भी बधाई दी। इस मौके पर अध्यापिका गीता राणा, नीरजा, महक, काजल, ज्योति, संगीता, श्वेता, रितु सहित सभी स्टाफ सदस्यों ने भी सरीना को बधाई दी। इस वर्ष फरवरी महीने में मुंबई में आयोजित 8 वीं रमेश देसाई नेशनल अंडर-12 टेनिस चैंपियनशिप में भी सरीना ने अपने दमदार प्रदर्शन की बदौलत उसने एकल खिताब जीतने में सफलता पाई थी।

स्कूल के चेयरमैन सुधीर जैन, सीईओ संजय जैन व प्राचार्या गीता चोपड़ा ने सरीना को बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। अब तक अंडर -12 व 14 आयु वर्ग के टेनिस मुकाबलों में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाली सरीना ने इस बार लड़कियों के अंडर-16 आयु वर्ग में भी अपना जलवा दिखाकर सभी को प्रभावित किया। अपनी शानदार सर्विस व आक्रामक खेल की बदौलत उसने खिताब पर अपना कब्जा जमाया। खेल प्रेमियों ने सरीना की सफलता पर खुशी जताई।

बाइक सवार मोबाइल छीनकर फरार, केस

गोहाना। शहर की चोपड़ा कॉलोनी में दूध लेने जा रहे एक व्यक्ति का बाइक सवार ने मोबाइल छीन लिया। मोबाइल के कवर में तीन हजार रुपये भी थे। पीड़ित ने घटना की शिकायत शहर थाना पुलिस को दी है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोपड़ा कॉलोनी निवासी भूपेन्द्र ने बताया कि वे शनिवार को शाम करीब साढ़े चार बजे दूध लेने के लिए घर से निकले थे। जब वे घर से थोड़ी दूरी पर गए तो एक बाइक सवार अपने मुंह पर रूमाल बांधे हुए आया। बाइक सवार पीड़ित से पहले नाम पूछा और फिर अन्य किसी व्यक्ति का नाम लेकर उसका पता पूछने लगा। जब पीड़ित ने अपनी जेब से मोबाइल निकाला तो बाइक सवार ने पीड़ित का मोबाइल छीन लिया और मोबाइल को लेकर बाइक लेकर भाग गया। पीड़ित के अनुसार मोबाइल के कवर में तीन हजार रुपये रखे हुए थे। पीड़ित ने मामले की शिकायत दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जल्द मामले का खुलासा किया जाएगा।

आदर्श आचार संहिता का पालन करवाने को प्रशासन ने कसी कमर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिला निर्वाचन अधिकारी डा. मनोज कुमार ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान विभिन्न राजनीतिक दल व उम्मीदवार अपना अस्थाई चुनाव कार्यालय किसी भी मतदान केन्द्र की 200 मीटर की दूरी में नहीं खोल सकता और ऐसे चुनाव कार्यालयों में संबंधित पार्टी का केवल एक झंडा और बैनर ही लगाया जा सकता है। उपायुक्त ने बताया कि अस्थाई चुनाव कार्यालय खोलने के लिए सार्वजनिक एवं निजी जमीन का प्रयोग कब्जे के रूप में ना किया जाए और किसी भी धार्मिक स्थल परिसर में कार्यालय नहीं खोला जाये। कोई भी चुनाव कार्यालय किसी भी शिक्षण संस्थान अथवा अस्पताल के नजदीक भी नहीं खोला जा सकता। सभी राजनीतिक पार्टियों के अस्थाई चुनाव कार्यालयों में संबन्धित पार्टी का चुनाव चिन्ह और फोटोग्राफ वाला केवल एक झंडा और बैनर लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि चुनाव कार्यालय में प्रयोग किये जाने वाला बैनर चार बाई आठ फुट से ज्यादा बड़ा नहीं हो सकता। अगर प्रशासन द्वारा बैनर और होर्डिंग के लिए छोटा आकार निर्धारित किया जाता है तो पार्टियों को उसी साईज के हिसाब से बैनर अथवा होर्डिंग बनवाने होंगे। किसी भी राजनीतिक दल द्वारा किसी की निजी भूमि, भवन आदि पर उसके मालिक की अनुमति के बिना झंडा, नोटिस, नारे, होर्डिंग और पोस्टर आदि का प्रयोग भी नहीं किया जा सकता है।

लाउडस्पीकर के प्रयोग के लिए अनुमति अनिवार्य

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार चुनाव कार्यालयों या किसी अन्य स्थान पर चुनाव प्रचार के लिए सुबह छह बजे से रात दस बजे तक ही लाउडस्पीकर का प्रयोग किया जा सकता है और लाउडस्पीकर के प्रयोग की अनुमति संबन्धित उपमण्डल अधिकारी (ना0) से लेनी अनिवार्य है। इस बारे में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त ने जिला के सभी नोडल अधिकारियों, सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश दिए।

जो मनुष्य परमात्मा का ज्ञन प्राप्त कर लेता है, वह परमात्मा का ही स्वरूप बन जाता है और इस तरह सिद्ध है कि गुरू के आसन पर मनुष्य नहीं किन्तु परमात्मा स्वयं आसीन रहते हैं।

-सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

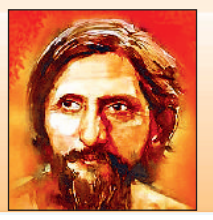

मैं जानता था कि हर आदमी को अपनी उच्च जाति का अभिमान होता है। उसे वह न तो छिपा पाता है और न ही दबा पाता है। बहुत कम लोग होते हैं जो अपनी जाति पर अभिमान नहीं करते और जातिगत भेदभाव भी नहीं करते, लेकिन यह सामाजिक विषमता जनमानस में गहरी पैठ बनाए हुए है।

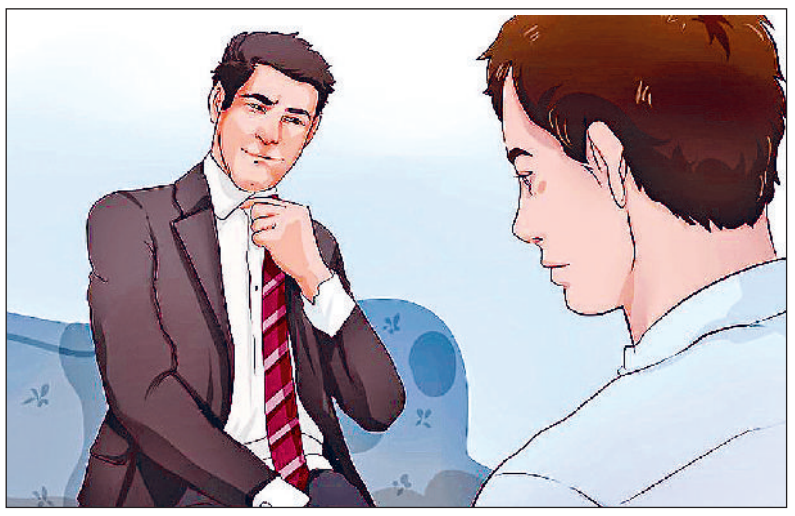

तेरी औकात मेरी औकात

कहानी | डॉ. रमेशचंद्र

उन दिनों मैं काम की तलाश में भटक रहा था। मुझे कोई काम नहीं मिल रहा था। हार कर मैंने यह तय कर लिया कि मुझे छोटा मोटा जो भी काम मिल जाएगा, मैं कर लूंगा। भूखों मरने से तो अच्छा है कि कुछ कमाकर भूख मिटाऊं। मैं पढ़ा लिखा नौजवान था, लेकिन दलित समाज का होने के कारण हर जगह से दुत्कार दिया जाता था। इस कारण ढंग का कहीं भी काम नहीं पाता था। आखिर मुझे एक भले आदमी ने काम दिया। वह काम था मज़दूरी करने का। उसके मकान का काम चल रहा था, इसलिए उसने मिस्त्री के कहने पर काम पर रख लिया। मैं मिस्त्री के अधीन काम करने लगा। उसके कहने पर ईंट तगारी में भर कर लाता और मिस्त्री को दे देता। मिस्त्री उससे दीवार बनाता। कभी कभी सीमेंट और रेती मिला कर ईंट जोड़ने का मसाला भी बनाता। मुझसे जो भी करने को कहा जाता कर देता। मेरा यह काम कुछ दिनों तक चलता रहा।

धीरे-धीरे मैं मिस्त्री का हेल्पर बन गया। फिर जब उस व्यक्ति का मकान बन गया तो मिस्त्री का काम खत्म हो गया और साथ में मेरा भी। मिस्त्री ने मुझे आश्वस्त किया कि कहीं भी उसे काम मिलेगा तो वह उसे बुला लेगा और अपने साथ काम पर रख लेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुझे तो काम करना था कोई भी काम, इसलिए मैं किसी का सामान उठा कर रेलवे स्टेशन ले आता तो किसी का ठेला चलाकर मज़दूरी करता। इस तरह थोड़ा कमाकर अपना पेट भर लेता था, लेकिन इस तरह की छुट्टी मज़दूरी करके अपना पेट अधिक समय तक तो भर नहीं सकता था। मुझे किसी स्थायी काम की तलाश थी।

आखिर खोजबीन करने पर एक आफिस में मुझे झाड़ लगाने का काम मिल गया तो वही करने लगा। थोड़े दिन तक वह काम करता रहा फिर उस भले आदमी ने अपने घर के काम के लिए रख लिया। उसका बाज़ार से सामान लाना, आटा पिसा कर चक्की से लाना, फिर उसके बच्चे को स्कूल छोड़ने और लाने का काम करता, लेकिन पैसा उतना ही मिलता, जितना कि एक नौकर को या मज़दूर को मिलता है। काम पर रखने वाले भी पहले मेरी जाति और धर्म पूछते तभी काम पर रखते। जैसै ही मेरी जाति का पूछते मैं अपनी दलित जाति बता देता तो वे तुरंत मुझे अपने काम से हटा देते। इस तरह कितनी ही जगह से मुझे निकाल दिया गया।

आखिर बहुत भटकने के बाद एक साहब ने मुझे अपने यहां रख लिया। उनके घर के काम करता और बच्चों को स्कूल ले जाता और स्कूल से घर ले आता था। वे कलेक्टर कार्यालय में काम करते थे। एक दिन मुझसे कोई गलती हो गई तो वे साहब मुझ पर बिगड़ पड़े। अनाप शनाप बुरा भला कहने लगे। यहां तक कि उन्होंने मुझे दलित कह कर मेरा घोर अपमान किया। उनके शब्द थे- 'तेरी औकात.ही क्या है, जो हमसे आंख मिला कर बातें कर सके।'

बात आई गई हो गई। समय बदला और मैं अपनी पढ़ाई की ओर ध्यान देने लगा। मेहनत मज़दूरी करता और रात में पढ़ाई। एक मेहरबान व्यक्ति ने मुझे मार्गदर्शन दिया और मैं ग्रेजुएट हो गया, फिर पोस्ट ग्रेजुएट हो गया। फिर उन्हीं मेहरबान व्यक्ति ने मुझे पीएससी परीक्षा में बैठने और बड़ा अफसर बनने की प्रेरणा दी। मैं प्राणपण से उसमें जुट गया। पीएससी की परीक्षा के साथ साथ मैं यूपीएससी की परीक्षा में बैठा। मेरा चयन हो गया तो उन सज्जन ने मुझे शाबाशी दी और हौसला बढ़ाया। यद्यपि वे उच्च जाति के थे, किंतु उन्होंने कभी मुझे दलित नहीं समझा। उन्होंने अपने सद्व्यवहार से मुझे हर तरह से सहयोग और प्रोत्साहन दिया। बाद में मुझे आईएएस के लिए चयनित कर लिया गया। कलेक्टर के पद पर सिलेक्ट करने के बाद मुझे ट्रेनिंग के लिए भेज दिया गया। अच्छे और बुरे दिन जीवन में आते रहते हैं। मेरे बुरे और अभावों के दिन बीत चुके थे। अब मैं कलेक्टर होकर उसी जिले में पदस्थ हो गया। जहां मैं बहुत पहले एक साहब के यहां काम करता था। मैं यह बात अभी तक भूला नहीं था कि कभी उन्होंने मुझे मेरे दलित होने पर हंसी उड़ाई थी और मेरा अपमान किया था। जिस दिन मुझे कलेक्टर के पद पर ज्वाइन होना था। मैंने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को बुलाकर उन सभी का परिचय पूछा। उनमें वह व्यक्ति भी था। वह व्यक्ति मेरे सामने हाथ बांध कर खड़ा था। उसने मुझे देखा तो उसके चेहरे पर विस्मय के भाव थे। सबके साथ उसने भी अपना परिचय दिया था। वह मन ही मन घबरा भी रहा था कि साहब अब पता नहीं उसके साथ क्या करेंगे। अनिष्ट की आशंका से वह डर भी रहा था ऐसा मैंने महसूस किया था। मैं सबको देखने और परिचय लेने के बाद उनको जाने दिया और अपने काम में जुट गया। दूसरे दिन वह व्यक्ति मेरे चैम्बर में आया। प्यून ने मुझे भीतर आकर बोला 'सर, आपसे मिलने के लिए शर्मा बाबूजी आना चाहते हैं!'

मैंने उसकी ओर देख कर पूछा 'कौन शर्मा बाबू..!' तब उसने शर्मा बाबू के बारे में बताया। मैं समझ गया कि यह वही शर्मा बाबू होगा, जिसके यहां मैं नौकर था। मैंने प्यून से कहा 'भेज दो उसको..!'

शर्मा बाबू आया और सीधा मेरे पैरों में झुक गया। मैंने उसे देखा यह वही व्यक्ति था। उसे उठाते हुए मैंने कहा- 'अरे, ये क्या कर रहे हो।'

वह बोला 'सर मुझे क्षमा कर दीजिए। मैंने अपने घमंड में आकर आपको उस समय भला बुरा कह कर अपमानित किया था। मुझे इस बात का बहुत पछतावा हो रहा है। मुझे अब ऐहसास हो गया कि औकात क्या होती है। मुझे क्षमा कर दीजिए सर..!' कह कर वह गिड़गिड़ाने लगा।

मेरे मन में उसके प्रति कोई दुर्भावना नहीं थी। मैंने उसे समझाते हुए कहा- 'देखो, उस समय तुमने जो कहा था वह उस समय की बात थी। अब उस बात को भूल जाओ। अपने मन में पछतावे का भाव भूल कर अपने काम पर ध्यान दो। मुझे तुमसे कोई शिकायत नहीं है।'

यह सुन कर शर्मा बाबू के चेहरे पर मुस्कुराहट आ गई। वह बोला - 'सर आपने मुझे क्षमा कर दिया। सचमुच आप ग्रेट हैं।'

मैं केवल मुस्कुरा भर दिया। जानता था कि हर आदमी को अपनी उच्च जाति का अभिमान होता है। उसे वह न तो छिपा पाता है और न ही दबा पाता है। बहुत कम लोग होते हैं जो अपनी जाति पर अभिमान भी नहीं करते और जातिगत भेदभाव भी नहीं करते, लेकिन यह इस सामाजिक विषमता भारतीय जनमानस में बहुत गहरी पैठ बनाए हुए हैं। इसके समाप्त होने में अभी काफी समय लगेगा।

शर्मा बाबू मेरे चैम्बर से चला गया, लेकिन एक प्रश्नचिह्न छोड़ गया कि आदमी की औकात क्या होती है। मैं सोचने लगा यदि उसने उस समय मुझे मेरी औकात नहीं बताई होती तो आज मैं उसको अपनी औकात कैसे बताता..!

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार हैं)

लघुकथा | प्रिया देवांगन 'प्रियू'

अधूरी ख्वाहिश

मम्मी....मम्मी..... सुनिए न! क्या हुआ मेरी गुड़िया? प्रातःकाल से इतना शोर क्यों मचा रही हो? मिन्नी स्वरबद्ध होकर बोली और आकर पीछे से लिपट गई। अच्छा बताओ क्या बात है? मिन्नी बोली– 'मम्मी मेरे दिमाग में बहुत अच्छा आइडिया आया है, आज के लिए।' ओह! ऐसा आज कुछ खास दिन है क्या? मिन्नी अपनी आँखें बड़ी–बड़ी कर हैरान नज़रों से मम्मी को देखने लगी; तभी किचन में पापा जी भी आ गए और दोनों से पूछने लगे- 'क्या बात है? माँ–बेटी में क्या खुसुर–फुसुर हो रही है भई....!' पापा जी थोड़ा मजाकिया अंदाज में बोले। नहीं... नहीं...ऐसी कोई बात नहीं है पापाजी कह कर मिन्नी किचन से चली गई। पापा जी के ऑफिस जाने के बाद मिन्नी बोली 'क्या मम्मी आप भी न..!' ऐसा बोलते ही शांत बैठ गई। ओहहो! ठीक है बाबा बताओ 'क्या–क्या करना है?' मिन्नी ने अपनी मम्मी को पूरी योजना बताई। मम्मी बहुत खुश हुई और बोली एक बिटिया ही तो होती है, अपने पापा के जीवन में हर छोटा–बड़ा सपना को साकार करने में लगी रहती है और बिल्कुल माँ जैसा ख्याल भी रखती है, भाव–विभोर हो मम्मी की आँखें भर आईं। शाम होते ही पापा जी ऑफिस से घर लौटे, थोड़ी देर बाद मिन्नी पापा जी से बोली- 'पापा जी चलिए न मेरे कमरे में!' क्यों? पापा जी बोले। ऐसे ही....कुछ दिखाना है आपको। अच्छा चलो; मम्मी पापा और मिन्नी तीनों कमरे में गए। कमरे में अंधेरा था। 'बिटिया लाइट तो जलाओ।' 'धैर्य रखिए बाबा....। इतनी भी क्या जल्दी है!' मिन्नी पापा की लाडली जो थी। 'ओके बिटिया...।' लाइट जलाते ही पापा जी विस्मित भाव से देखने लगे। सहसा फूलों की वर्षा होने लगी, छोटे–छोटे लाइट जुगनुओं की तरह चमकने लगे, नीचे धरती पर मखमली घास बिछी थी, कोयल के सुमधुर आवाज की तरह धीमे स्वर में गाना चल रहा था, एक प्यार का नगमा है..! टी–टेबल में बहुत सारी मिठाइयाँ, फल–फूल, केक वगैरह.... वगैरह..? केक कट करते ही मिन्नी पापा जी को एक गिफ्ट पैकिंग आहिस्ता से खोलने के लिए बोली। पापा जी भी मुस्कुराते हुए आहिस्ता–आहिस्ता खोलने लगे। खोलते ही उनकी आँखें नम हो गईं और मिन्नी को गले से लगा लिया। पिता, बेटी को प्यार भरी नज़रों से देखने लगे। उन्होंने देखा पापा की एक फेवरेट लैपटॉप उनके सामने रखी हुई है। जिसकी पापा जी को बरसों से अभिलाषा थी। बेटा ये लैपटॉप!! 'ना...ना...पापा जी कुछ न कहिए ये आपके बहुत काम की है, आप दिन–रात, जाग–जाग कर मोबाइल में ही अपनी कविताएं टाइप करते रहते हैं। सो..... मैंने और मम्मी ने सोचा क्यों न पापा जी को सरप्राइज दे दें।' पापा जी बोले 'आज मेरी बेटी इतनी बड़ी हो गई की पापा की ख्वाहिश पूरी कर रही है!' मिन्नी बोली हैप्पी बर्थडे पापा, हैप्पी बर्थ डे माई डियर पापा जी...! तभी कानों में मम्मी की आवाज सुनाई देने लगी। मिन्नी अरी ओ गुड़िया, उठो! बेटा भोर हो गई। कितनी देर तक सोएगी? मिन्नी की आँखें खुलीं, चहुँओर सन्नाटा छाया था। जो कुछ भी हुआ एक स्वप्न था। मिन्नी, मम्मी को गले लगाती हुई अपने पापा को याद कर सिसकियाँ भर–भर कर रोने लगी।

कविता | पूजा गुप्ता

कुछ छोरियां

कुछ छोरियां...
नीरनिधि से निकली,
अमृत कुंभ होती हैं।
जहां भी छलक जाती हैं..
पुण्यस्थान बना देती हैं।

कुछ छोरियां.....
ब्रह्ममुहूर्त की रक्तिम आभा जैसी।
साथ होती है तो....
नई संभावनाओं को जन्म देती है,
राह को रोशनी कर देती है।

कुछ छोरियां अमरबेल होती है...
आलिंगनबद्ध कर लेती है।
पतझड़ हो या मधुऋतु....
हर पल साथ निभाती है।

कुछ छोरियां....
मधुर संगीत होती है।
छू लेती है मन को,
याद आती है बरसों।

कुछ छोरियां...
अमृत फल होती है।
बिखरा देती है रूप सुगंध...
चंचल कर देती है अंतर्मन।

दोहे | अरुण कुमार कैहरबा

पर्यावरण के दूत

पर्यावरण की दूत है, जीवन का सम्मान।
गौरैया जो बची रही, इसमें सबका मान।।

प्यारे-प्यारे गीत हैं, चीं-चीं-चीं का गान।
उसके नर्तन पर करे, आंगन भी अभिमान।।

नन्हीं है आकार में, फिर भी बहुत महान।
इसके होने से रहती है पर्यावरण में जान।।

फसल उगाकर खेत में, इतराता इन्सान।
खाकर जिसे गौरया, हो गई लहुलुहान।।

जहर हवा में घुल रहा, हुआ फूहड़ शोर।
कैसे बचेंगे ऐसे में, गौरया और मोर।।

गौरैया जो ना रही, बचेगा नहीं इन्सान।
इन्सां ही कहलाएगा, सबसे बड़ा हैवान।।

आओ पुराने दौर को, फिर से करें साकार।
प्रकृति व पर्यावरण से, सबको ही हो प्यार।।

धरती व आकाश में, पंछी करें किलोल।
गौरैया के गान पर, सब नाचें दिल खोल।।

लघुकथा | गोविन्द भारद्वाज

गृहस्थी का रथ

दिव्या तुम बड़े परिवार की इकलौती बेटी हो...भला तुम्हारे लिए रिश्ते की कोई कमी होगी...एक से बढ़कर एक रिश्ते आएंगे तेरे लिए। माँ ने दिव्यांग बेटी को समझाते हुए कहा।

'लेकिन माँ मैं सिर्फ ऐसे लड़के से शादी करूँगी...जो मेरे जैसा ही हो...वो भी दिव्यांग की श्रेणी में आता हो।' दिव्या ने स्पष्ट शब्दों में कहा।

'बेटी! ये क्या कह रही है तू?' मां ने आश्चर्य से पूछा।

'माँ मैं बिल्कुल ठीक कह रही हूँ, अगर मैं और मेरा पति एक जैसे होंगे..तो हम दोनों के बीच अक्षमता को लेकर कोई कुटिल विचार नहीं आएंगे। एक-दूसरे की भावनाओं को समझ सकेंगे।' दिव्या बोली।

तभी पड़ौस के घर से जोर-जोर से आवाजें आने लगी। 'देखो मैंने तुम से शादी करके तुम पर अहसान किया है...तुमने अपनी सूरत आइने में देखी है कभी।' पड़ौसी रोहित अपनी पत्नी पर चिल्लाते हुए कहा रहा था।

'हाँ...हाँ..मैं नहीं हूँ, तुम जितनी सुंदर, लेकिन मेरे बाप ने भी तुम्हें मुंह माँगी रकम दी थी, हरे-हरे नोटों के सामने तुम्हारी खूबसूरती फीकी पड़ गई थी, मेरे सामने।' रोहित की पत्नी ने भी पलट कर जवाब दिया।

दिव्या बोली, 'देख लिया न....अपने पड़ौस का हाल..क्या अब भी तुम।'

'ना मेरी बच्ची...तू जो कह रही है... बिल्कुल ठीक है। गृहस्थी के रथ के दोनों पहिए बराबर होने चाहिए।' माँ ने बेटी को गले लगाते हुए कहा।

कविता | लवली आनंद

कैसे पी मन भाऊ री

पियर शरीर मोरा लाज से होइहे,
कैसे पी घर जाऊ री.....
देह मिलते सब बिसर गाई मन,
देह त्यागें डर लागे री.....1

लगी दामन में सौ रंग दाग के
अब कौन जतन से छुड़ाऊं री.....
हे सखी मोरा मन धक-धक होइहे,
कैसे पिया से नयन मिलाऊ री...

काम,क्रोध,लोभ,माया सखी जे होइहें,
फिर कैसे पी मन बस जाऊ री....
सुनु सखी मोरा पिया रुसल होइहें,
अब कौन से राग मैं गाऊँ री.....

सब रंग पटिया शरीर जे होइहें,
तो कृष्ण रंग कैसे मैं जानु री...
जो कृष्ण रंग मैं देखन होइहें,
फिर मोहे कोई और रंग न भायो री.

युवा पीढ़ी के लिए वही सच है, जो दिखाया जा रहा है। आजकल की युवा पीढ़ी में साहित्य, लोक कला व संगीत में रुचि नहीं है, ऐसा भी नहीं लगता, बल्कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर प्रदर्शनों की आई बाढ़ से उनमें संयम की कमी नज़र आती है। हमारे पौराणिक ग्रंथों की बातों को यदि रुचिकर माध्यम से युवाओं तक पहुँचाया जाए, तो सुधार की संभावना है।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

युवा पीढ़ी की साहित्य और लोक कला में रुचि नहीं : डॉ. डेजी

साहित्य जगत में हरेक लेखक, साहित्यकार, कवि और लोक कलाकार अपनी संस्कृति एवं परंपरा को जीवंत रखने के लिए साहित्य संवर्धन करता आ रहा है। ऐसे ही साहित्यकारों में महिला साहित्यकार डा. डेजी 'मुदिता' ने एक शिक्षाविद् होने के बावजूद काव्य और लोक साहित्य लेखन के माध्यम से सामाजिक जीवन में अनसुलझी पहेलियों और समस्याओं को उजागर किया है। यही नहीं अंग्रेजी भाषा शिक्षण और महिला अध्ययन में उन्हें महारत हासिल है, जिसमें उनके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोधपत्र भी प्रस्तुत हो चुके हैं। भारत-एशिया अध्ययन केंद्र और शिक्षण संस्थान केंद्र में लंबे समय तक सेवारत रही द्विभाषी कवयित्री, लेखिका और अनुवादिका एवं गर्ल्स कॉलेज, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां(सोनीपत) में अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डा. डेजी 'मुदिता' ने अपने लेखन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत के दौरान अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, उससे जाहिर है कि वह महिला सशक्तिकरण के प्रति समर्पित हैं। डेजी का जन्म 28 दिसंबर 1970 को सोनीपत में एक शिक्षित परिवार में धर्मवीर सिंह व श्रीमती शांति देवी के घर में हुआ। उनके पिता सीआरए कॉलेज सोनीपत में रसायन विभागाध्यक्ष और सेवानिवृत्ति से पहले दो साल प्रिंसिपल भी रहे। वहीं उनकी माता भी सरकारी प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका रही। उनके दादा भी उस जमाने के गणित शिक्षक रहे। शिक्षा जगत में खुद एसोसिएट प्रोफेसर डा. डेजी मुदिता तीसरी पीढ़ी है। खास बात ये रही कि उनके परिवार के सदस्य विभिन्न सरकारी विभागों में कार्यरत हैं। यहां तक कि उनकी बड़ी बहन और बहनोई भी शिक्षक हैं। भाई खेल जगत से बीसीसीआई के साथ जुड़े रहते निजी व्यवसाय में है तो बेटा रैप गायकी व ऑनलाइन स्टार्ट-अप की तैयारी में है, इसलिए उनके परिवार में शिक्षा को सर्वोपरि रखा गया। बकौल डा. डेजी, उनके घर में अखबार और विभिन्न पत्रिकाएं आती थी, जिन्हें पढ़कर उनकी किशोर अवस्था में उपन्यास पढ़ने में रुचि हो गई। कविता का संचार उनके भीतर बचपन से ही था। किशोरावस्था में उनकी मुलाकात सहेली योगिता से हुई, जिनकी एक कविता अखबार में छपी थी, तो उसके मन में भी परिवार से छुपकर कुछ कविताएं लिखी, जिन्हें उसने अपनी सहेली के अलावा किसी अन्य से साझा नहीं की। जब वह नौवीं कक्षा की परीक्षाओं की तैयारी करते हुए जब उनका ध्यान चीटियों पर गया तो वह चंद कविताएं लिखने का उतावली हुई। बारहवीं कक्षा में अध्ययन के दौरान उनकी पहली कविता 'पल भर की आशा' कॉलेज की मैगजीन में छपी। हालांकि उनका असली साहित्यिक सफर तो उसी समय गतिमान हुआ जब वह चालीसवें बंसत में पहुंची। उस समय उनके मित्र व सहकर्मी रवि भूषण ने कहा था कि 'इंसान जिस भी विधा में स्वयं को बेहतर अभिव्यक्त कर सके, उसी में करना चाहिए। साहित्य लेखन के क्षेत्र में उनका पहला काव्य-संकलन 'आस' साल 2009 में प्रकाशित हुआ, उन्होंने कृति की पहली प्रति अपने माता-पिता को को देकर सरप्राइज दिया, जिसे देखकर वे बेहद खुश हुए। इसके बाद 'करवटें मौसम की' और कथा संग्रह 'कटघरे' साल 2017 में पाठकों के समक्ष आए। डा. डेजी का कहना है कि यदि 'साहित्य' को आप केवल प्रकाशित साहित्य की दृष्टि से देखेंगे तो ऐसा साहित्य के प्रति रुचि कम हो रही है, लेकिन इस परिवर्तनशील संसार में आज सत्य पर माध्यम हावी हो चुका है यानी अधिकतर लोग दृश्य-श्रव्य माध्यम से ही जीवन को भी आंकने लगे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

डा. डेजी 'मुदिता' की 14 पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। उनकी प्रमुख पुस्तकों में भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण की पुस्तक 'हरियाणा की भाषाएं' नवीनतम कृति है। इसके अलावा उनके काव्य संग्रह–'आस' और 'करवटें मौसम की' के अलावा कथा संग्रह 'कटघरे' भी सुर्खियों में हैं। उन्होंने आधा दर्जन से ज्यादा पुस्तकें अंग्रेजी भाषा में भी लिखी हैं। पिछले दिनों ही हरियाणा की कवयित्रियों की श्रेष्ठ कविताओं एक एक काव्य संकलन 'धूप में चाँदनी' उनकी दस कवितायें प्रकाशित हुई थी।

डॉ. डेजी 'मुदिता'

पुरस्कार व सम्मान

महिला साहित्यकार एवं कवयित्री डा. डेजी 'मुदिता' को ग्लोबल सोसाइटी ऑफ एजुकेशनल ग्रोथ की ओर से 'भारत शिक्षा रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। शिवयुवा शक्ति संघ के शिक्षक सम्मान के अलावा हरियाणा सरकार भी उन्हें गणतंत्र दिवस और अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मानित कर चुकी है। कवयित्री के रूप में महिला काव्य मंच उन्हें काव्यात्मक प्रतिभा सम्मान से भी अलंकृत कर चुकी है। इसके अलावा विभिन्न साहित्य एवं सामाजिक मंच पर भी उन्हें अनेक पुरस्कार पाने का सौभाग्य मिला है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम: डॉ. डेजी 'मुदिता'
जन्मतिथि: 28 दिसंबर 1970
जन्म स्थान: सोनीपत (हरियाणा)
शिक्षा: बी.एस.सी. (नॉन मेडिकल), एमए, एम.फिल(ईएली), पीएच.डी।
संप्रति: एसोसिएट प्रॉफेसर (अंग्रेजी), स्वतंत्र काव्य व कथा लेखन

विसंगतियों पर प्रहार संवेदनाओं की पुकार

पुस्तक समीक्षा | आशा खत्री 'लता'

संवेदनाओं की पुकार लघुकविता सँग्रह आशा विजय विभोर का दूसरा लघुकविता संग्रह है जिसमे 103 रचनाएँ संगृहीत हैं। कवयित्री ने प्रस्तुत कविताओं में समाज में, मानवीय व्यवहार में, व्यवस्था में, राजनीति में व्याप्त विसंगतियों पर डटकर कलम चलाई है।

पुस्तक : संवेदनाओं की पुकार
लेखिका: आशा विजय विभोर
मूल्य : 300 रुपये
प्रकाशक: आनन्द कला मंच

कवयित्री ने जहाँ वैज्ञानिकों के उत्कृष्ट कार्य निष्पादन को सराहा है वहीं वे युवा पीढ़ी में बढ़ते नशे की प्रवृति, बलात्कार, मजदूरों के शोषण, प्रकृति को नष्ट करने, नदियों को प्रदूषित करने, कला के नाम पर नग्नता, मांसाहार, बढ़ती महंगाई, प्लास्टिक के उपयोग को रोकने, पर्यावरण प्रदूषण व अन्य अनेक सामयिक विषयों पर खुलकर कलम चलाई है।

आशा जी एक संवेदनशील व्यक्तित्व की धनी हैं। उन्हें मनुष्य का शोषण पीड़ा देता है तो वे पक्षियों की पीड़ा को भी अनुभव और व्यक्त करती हैं। वे मानव के पशु-पक्षियों के प्रति दोगले व्यवहार से कराह उठती हैं। 'गौ सेवा' कविता में उनका तेवर देखिये-

दूध और मक्खन खाकर
मानव का हृदय तृप्त हो जाता
मूत्र तुम्हारा बीमारियों को दूर भगाता
उपलों से तुम्हारे हवन करके
वतावरण शुद्ध हो जाता
खाद से तुम्हारी
पौधों में जीवन आता
फिर भी पंजीकृत बूचड़खानों में
तुम्हारी हत्या से होकर बेपरवाह
स्वांग गौ सेवा का रचा जाता। आजकल मोबाइल का बोलबाला है। आशा जी ने ऑनलाइन सुविधाओं के साथ-साथ उनके नुकसान की तरफ भी ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया है। 'संवेदनाओं की पुकार' जिसके शीर्षक को पुस्तक का नाम दिया गया है में कवयित्री माँ की त्याग तपस्या के साथ-साथ बच्चों को माँ द्वारा त्याग दिए जाने की ज्वलंत समस्या पर भी लिखती हैं।

भाषा, सरल, प्रवाहमयी व सहज सम्प्रेषणीय है। आवश्यकतानुसार बात को प्रभावी ढंग से कहने के लिए मुहावरों का प्रयोग जैसे अपना उल्लू सीधा करना, अपने मुँह मिया मिट्ठू बनना, आँखें बिछाना, आसमान से गिरा खजूर में अटका, दिल बाग-बाग हुआ, भी खूब किया गया है।

आवरण पृष्ठ आकर्षक है। शीर्षक को विषय अनुसार बिलकुल सही लिया गया है। 'अपनी बात' कहते हुए आशा विजय विभोर साथी साहित्यकारों का आभार प्रकट करती हैं। यह उनका बड़प्पन व सहृदयता है।

ऋषि च्यवन के जीवन की विशद् व्याख्या

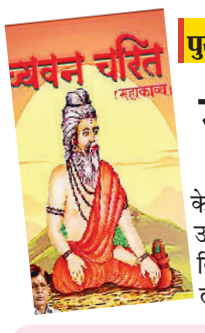

पुस्तक समीक्षा | विदर्भ कुमार

सुप्रसिद्ध रचनाकार डॉ. सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी 'पथिक' द्वारा रचित महाकाव्य कृति 'च्यवन चरित' के अध्ययन, मनन, और अनुशीलन के उपरांत निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि 'च्यवन चरित' कृति महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर एक सफल प्रबंध महाकाव्य कृति है। यह भाव सौंदर्य, शिल्प सौष्ठव एवं रचनात्मक अभिप्रेत की दृष्टि से अप्रतिम एवं प्रभविष्णु कृति है।

पुस्तक : च्यवन चरित
लेखक: डॉ सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी
मूल्य : 750 रुपये
प्रकाशक: शतरंग प्रकाशन

इसका कथानक बड़ा सरस, रोचक कौतूहलवर्धक एवं सन्देशप्रद है, जो भारतीय वाग्डमय के वैदिक ऋषि च्यवन के जीवन की विशद् व्याख्या की गई है। डॉ. सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी 'पथिक' ने मूल कथा को मनोवैज्ञानिक आधार पर छन्द के माध्यम से बहुत प्रभावशाली तरीके से सरस शैली में चित्रित किया है तथा कथा से पूर्व समर्पण के रूप में माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की है।

डॉ. सत्यदेव प्रसाद द्विवेदी 'पथिक' की कृति के मुख्य पात्र च्यवन ऋषि है। इसका उद्देश्य धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष आदि चारों पुरुषार्थों को दृष्टिगत रखते हुए मानव जीवन में सत्यम्, शिवम्, सुंदरम् की स्थापना करना है और त्याग के महत्व को प्रतिपादित करना है। इसमें शांत, शृंगार व करुण रस की प्रधानता है।

सबसे विशेष बात यह है कि इस पुस्तक का देशकाल और वातावरण कथानुरूप है। भाषा सरल, सुबोध, खड़ी बोली हिंदी है। बीच-बीच में तत्सम व तद्भव शब्दों का समावेश भी हुआ है । शैली सरस, चित्रात्मक और विश्लेषणात्मक है। अलंकारों का स्वाभाविक प्रयोग देखते ही बनता है, विशेष रूप से अनुप्रास, उपमा, रूपक, यमक, दृष्टांत, श्लेष, अतिशयोक्ति, पुनरुक्ति आदि का प्रयोग हुआ है। निष्कर्षतः जीवन में त्याग की उपादेयता को रेखांकित करती प्रबंध महाकाव्य कृति ' च्यवन चरित' भाव सौंदर्य, शिल्प सौष्ठव, शीर्षक, सन्देश, काव्य प्रयोजन, उद्देश्य एवं रचनात्मक अभिप्रेत की दृष्टि से अत्यंत उत्कृष्ट एवं उपादेय है।

यह पठनीय एवं संग्रहणीय काव्य कृति में प्रथम बार च्यवन ऋषि के सम्पूर्ण व्यक्तित्व को एकाकार रूप में प्रस्तुत किया गया है। सुधीजनों एवं साहित्य जगत में यह अपना उल्लेखनीय स्थान बनाएगी, ऐसा मेरा ध्रुव विश्वास है। लेखक साधुवाद के पात्र हैं। शुभकामनाओं सहित।

खबर संक्षेप

मोदी को तीसरी बार पीएम बनाएं: बिधूड़ी

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार रामवीर सिंह बिधूड़ी के समर्थन में गांवों में चुनाव प्रचार को तेज कर दिया है। रविवार को बिधूड़ी मदनगीर गांव में प्रचार के लिए पहुंचे। यहां आयोजित एक कार्यक्रम का संबोधित किया। समारोह में उपस्थित सभी गांव वालों ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में एक तरफा वोटिंग करने का किया फैसला और कहा कि हम सभी भाजपा प्रत्याशी को जिताकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते हुए देखना चाहते हैं, क्योंकि उन्होंने गांव वालों के लिए, किसानों और गरीबों के लिए अपनी बहुत सारी जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उन्हें लाभान्वित किया है। कार्यक्रम में मदनगीर गांव की 72 वर्षीय वृद्ध महिला ने 'ऐसा इतिहास रचा देना, सोने की चिड़िया देश बना देना गीत गाकर समां बांध दिया।

पीतमपुरा में रिहायशी इमारत में आग लगी

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के पीतमपुरा इलाके में रविवार को एक रिहायशी इमारत में आग लग गयी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने कहा कि हमें शाम छह बजकर 23 मिनट पर एक रिहायशी इमारत में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद, दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। डीएफएस ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को भी दे दी है।

महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया

सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर रोजाना प्राणायाम करने का किया आह्वान

जीवन का पहला सुख निरोगी काया : डॉ. सुरेश सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

रोहतक रोड गोहाना स्थित सेक्टर 7 के महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में विश्व स्वास्थ्य दिवस स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में लोगों को योग क्रियाओं का अभ्यास करवाते हुए स्वास्थ्य का संदेश दिया गया। मुख्य वक्ता योगाचार्य डॉ. सुरेश सैनी ने कहा पहला सुख निरोगी काया स्वास्थ्य शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। हमें स्वस्थ रहने के लिए खानपान व अपनी दिनचर्या का ध्यान रखना चाहिए। हमें रोजाना शाम को जल्दी खाना खाकर सो जाना चाहिए और सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर रोजाना व्यायाम, प्राणायाम व योगासन करना चाहिए। इससे हमारा शरीर हमेशा स्वस्थ बना रहेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक योग शिक्षक आजाद सिंह दांगी ने की। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में हर साल 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। यह दिवस वैश्विक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। वे बोले कि योग एक भारतीय आध्यात्मिक और शारीरिक अभ्यास करने का अनुशासन है। इस मौके पर ज्योति मक्कड़, प्रेम कौर, प्रेमलता, निर्मला, सुरेश पंवार, निर्मला, सुदेश, सुनीता, रणधीर राठी व सुमित्रा उपस्थित रहे।

गोहाना। योग क्रियाओं का अभ्यास करवाते डॉ. सुरेश सैनी। फोटो : हरिभूमि

गोहाना। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गन्नौर। आशीष मलिक को मेडल पहनाते कोच संदीप मलिक।

पोस्टर मेकिंग में आरती,निबंध लेखन में विनय प्रथम

गोहाना। गोहाना-सोनीपत मार्ग पर बड़ौता गांव में स्थित गवर्नमेंट कॉलेज में पर्यावरण थीम पर प्रतियोगिताएं करवाई गईं। पोस्टर मेकिंग की प्रतियोगिता में आरती तो निबंध लेखन में विनय प्रथम रहे। विजेता विद्यार्थियों को कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सुदेश लाठर ने सम्मानित किया। ये प्रतियोगिताएं इको क्लब, नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर और हरित हरियाणा अभियान के तहत आयोजित की गईं। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने गिरते भूजल स्तर, जल प्रदूषण, जैव विविधता, जनसंख्या वृद्धि, वायु प्रदूषण और कचरे के प्रबंधन को अपनी प्रस्तुतियों का आधार बनाया। संयोजन डॉ. शैलेश कलकल ने किया। निर्णायक मंडल में लेफ्टिनेंट अनिल बडगूजर, डॉ. ज्योति नांदल, डॉ. कविता राठी और शान देवी थे। पोस्टर मेकिंग में रिंकू द्वितीय और वंश तृतीय, निबंध लेखन में रवि द्वितीय और नेहा तृतीय स्थान पर रहे।

आशीष ने 100 और 200 मीटर में जीता स्वर्ण

गन्नौर। दिल्ली में डा. लाल सिंह फाउंडेशन द्वारा शारीरिक रूप से कमजोर नेशनल ओपन एथलीट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें गांव तेवड़ी के मानसिक रूप से अशक्त आशीष मलिक ने 100 मीटर व 200 मीटर में स्वर्ण पदक जीत कर गांव का नाम रोशन किया। आशीष मलिक गांव के स्टेडियम में अपने कोच संदीप पहलवान के पास रह कर ही अपना अभ्यास करता है। कोच संदीप मलिक ने बताया की आशीष मलिक बहुत ही होनहार युवा हे और यह भविष्य में ऐसे ही गांव का नाम रोशन करेगा।

खरखौदा। नि:शुल्क एंबुलेंस सेवा जनता को समर्पित करते देवेंद्र व अन्य।

जरूरतमंदों के लिए की फ्री एंबुलेंस सेवा प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

समाजसेवी संस्था गरीब कल्याण संस्था ने रविवार को जरूरतमंदों के लिए निःशुल्क एंबुलेंस सेवा शुरू की है। कबीर वाटिका में निवार्णी अखाड़ा महंत बाबा प्रीतम स्वामी के सानिध्य में एंबुलेंस सेवा का लोकार्पण किया गया। आयोजक संस्था ने क्षेत्र की 28 स्वयंसेवी संस्थाओं व सामाजिक सरोकारों से संबद्ध 75 व्यक्तियों को पगड़ी व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संस्था संस्थापक एवं हरियाणा पुलिस में सेवारत देवेंद्र सिंह ने बताया कि एंबुलेंस सेवा गरीबों के लिए वरदान साबित होने जा रही है। अब खरखौदा व आसपास के गांव में कोई भी गरीब व्यक्ति इमरजेंसी में एंबुलेंस के लिए परेशान नहीं होगा, क्योंकि संस्था की तरफ से एंबुलेंस सेवा निःशुल्क उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि गरीब कल्याण संस्था पहले से ही समाजसेवा के कार्य कर रही है। जिसमें गरीब लड़की की शादी व बेसहारा गरीबों को राशन दिया जाना शामिल है। कार्यक्रम के मंच संचालन अश्वनी कौशिक ने किया।

ये रहे मौजूद

एडवोकेट गजे सिंह, पूर्व विधायक सुखबीर फरमाना, पदम सिंह दहिया, समाजसेवी एवं पूर्व एसीपी जोगिंद्र गहलावत, महिला आयोग की प्रदेश उपाध्यक्ष सोनिया अग्रवाल, ब्लाक समिति के पूर्व चेयरमैन राजबीर दहिया, संस्था अध्यक्ष दिशांत दहिया, उपाध्यक्ष अरविंद शर्मा, सुशील, विशाल राणा, नरेश कुमार, नितिन जांगड़ा व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

किसानों ने नारेबाजी कर जताया रोष

- गांव रोहणा में भाजपा प्रत्याशी का विरोध, दिखाए काले झंडे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

भाजपा उम्मीदवार मोहनलाल बड़ौली रविवार को खरखौदा क्षेत्र के गांवों में चुनाव प्रचार पर थे। अपने दौरे की शुरूआत उन्होंने गांव रोहणा से की। जहां उन्हें किसानों के विरोध का सामना करना पड़ा। एक तरफ किसान अपना पक्ष रखने पर आमादा थे, तो मोहन लाल बाड़ौली कार्यक्रम के बाद उनकी बात सुनने को तैयार थे। किसान नेताओं ने उनके विरोध में नारेबाजी शुरू कर दी और काले झंडे दिखाए। किसान नेता देशपाल दहिया, विकेश दहिया, प्रवीण दहिया, बेदी गोपालपुर आदि ने उनसे सवाल किए कि नाहरा गांव में एचटी लाइन को लेकर चल रहा विरोध प्रदर्शन उनके विधानसभा क्षेत्र राई में पड़ता है। जहां पुलिस बल के बूते पर गड्ढे खोदकर किसानों की फसल बर्बाद की जा रही है। जिसका विरोध किए जाने पर किसानों व महिलाओं पर मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। किसान अपनी मांगों को लेकर दिल्ली जाने का प्रयास कर रहे थे, तो सरकार ने अनेक रुकावटें पैदा करके उन्हें दिल्ली नहीं जाने दिया। खनौरी बॉर्डर पर युवा किसान शुभकरण की मौत के मुद्दे पर भी किसान आक्रोशित नजर आए। चुनाव प्रचार के बीच समय निकालकर मोहनलाल बड़ौली बरोना गुरुकुल पहुंचे। जहां संचालक आचार्य प्रदीप ने पटका पहनाकर व सत्यार्थ प्रकाश पुस्तक भेंट करके उनका स्वागत किया। इसके बाद वह पाई की तरफ रवाना हो गए।

खरखौदा। भाजपा प्रत्याशी का विरोध करते किसान नेता।

खरखौदा। वाटर पार्क का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि।

द पाइरेट्स किंगडम वाटर पार्क का किया उद्घाटन

खरखौदा। थाना कलां बाईपास पर स्थित द पाइरेट्स किंगडम वाटर पार्क का सीजनल उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि राहुल धांधलानिया, कनिका राणा, रोहित छिक्कारा ने रिबन काटकर औपचारिक उद्घाटन किया। संचालक नमन कादयान ने बताया कि जैसे जैसे गर्मी का पारा बढ़ता जा रहा है, ऐसे में गर्मी से राहत दिलाने के लिए वाटर पार्क की शुरूआत की गई है। जिसमें बच्चे, बुजर्ग व महिलाएं गर्मी से राहत पाने के लिए परिवार सहित वाटर पार्क में विभिन्न गतिविधियों का आनंद उठा सकते हैं। बताया कि सभी आयु वर्ग के लिए तैराकी सिखाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों की व्यवस्था है। तैराकी सीखने का खर्चा काफी कम रखा गया है। यह खरखौदा का एकमात्र वाटर पार्क है, जिसमें क्षेत्र ही नहीं अपितु दूर-दूराज लोग पहुंच रहे हैं। समय-समय पर विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी भी यहां पर पहुंचकर आनंद उठाते है। बच्चों के मनोरंजन के लिए रेलगाड़ी, बंजी जंपिंग, बुल राइडिंग, एयरप्लेन राइडिंग, मिकी माउस व वाटर पार्क में 18 पानी की स्लाइड्स की व्यवस्था है। कहना न होगा, एक मध्यम वर्गीय परिवार सीमित खर्चे में अधिकतम मनोरंजन कर सकते हैं। इस दौरान सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। उद्घाटन कार्यक्रम में कुलदीप पहलवान, जितेंद्र कादयान, सिकंदर दहिया, अनु कादयान व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

नीरज अध्यक्ष, देवेंद्र बने उपाध्यक्ष

- भारतीय मजदूर संघ की जिला इकाई का हुआ चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

भारतीय मजदूर संघ जिला सोनीपत का द्वैवार्षिक अधिवेशन हेडगवार भवन जिला सोनीपत में कृष्णा छिक्कारा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें जितेंद्र वत्स रोहतक विभाग प्रमुख व देवीलाल गुराना प्रदेश मंत्री भारतीय मजदूर संघ की मौजूदगी में जिला कार्यकारिणी सोनीपत का चयन किया गया। कार्यकारिणी में अध्यक्ष के पद पर नीरज (पब्लिक हैल्थ) उपाध्यक्ष - देवेन्द्र शर्मा (अनुबंधित विद्युत) उपाध्यक्ष - नरेन्द्र (रोडवेज) जिला मंत्री - रवि कुमार(भवन निर्माण) सह-सचिव - भावना (आईटीआई) सहसचिव रविन्द्र (शुगरमील) कोषाध्यक्ष - संदीप धीमान (पोस्ट आफिस) सहित कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर गोवर्धन ,दीपक ,संजीव सांगवान, सरोज,मनीष, विकास रहे। इस अवसर पर विभिन्न विभागों जैसे रोडवेज विद्युत हेल्थ भवन निर्माण आईटीआई आदि विभागों से कर्मचारी उपस्थित रहे।

सोनीपत। चुनाव प्रक्रिया के दौरान मौजूद पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

नशे में ड्राइविंग करने वालों पर पुलिस ने कसा शिकंजा

इस साल अभी तक तीन माह में काटे गए 6591 चालान

हरिभूमि न्यूज नई दिल्ली

राजधानी की सड़कों पर नशे में ड्राइव करने वालों पर यातायात पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। चलाये जा रहे स्पेशल अभियान के तहत इस साल के शुरुआती तीन महीनों में पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले 6591 लोगों का चालान काटा। 2022 में यह संख्या महज 399 और 2023 में 5384 थी। यातायात पुलिस के मुताबिक पिछले वर्षों की तुलना में नशे में गाड़ी चलाने के मामलों की काफी बढ़ोत्तरी हुई है, जोकि बेहद चिंता का विषय है। यहीं कारण है कि यातायात पुलिस विशेष अभियान चला रही है। इसके तहत सबसे ज्यादा चालान काटे जाने वाले शीर्ष 10 ट्रैफिक सर्किल का भी विश्लेषण किया गया है। इनमें सबसे ज्यादा चालान राजौरी गार्डन ट्रैफिक सर्किल में किये गये। यहां पर आंकड़ा 333 रहा। समयपुर बादली में 252, महरौली 240, करोबाग और रोहिणी में 235 व मॉडल टाउन में 200 चालान किये गए हैं। पुलिस का मानना है कि शराब के नशे में गाड़ी चलाने से न केवल चालक के लिए बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी खतरनाक है। ट्रैफिक पुलिस लगातार जनता से अपील भी करती है कि गाड़ी चलाते समय सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

■ राजधानी की सड़कों पर नशे में ड्राइव करने वालों पर यातायात पुलिस का शिकंजा

डीयू: कॉलेजों में छात्रों के लिए निगरानी समिति और ग्रीवेंस सेल बनाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस के चेयरमैन व डीयू की पूर्व एडमिशन कमेटी के सदस्य डॉ. हंसराज सुमन ने रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह को पत्र लिखकर मांग की है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में यूजी, पीजी, पाठ्यक्रमों में एडमिशन प्रक्रिया शुरू करने से पूर्व डीयू से संबद्ध संस्थानों/कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाली शिकायतों के समाधान के लिए कॉलेजों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, विकलांग श्रेणी व अल्पसंख्यक छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एससी/एसटी सेल, निगरानी समिति व ग्रीवेंस सेल की स्थापना की जाए। उन्होंने कहा कि डीयू प्रशासन कॉलेजों को सर्कुलर जारी करें ताकि इन वर्गों के छात्रों को शैक्षिक सत्र 2024-25 में प्रवेश संबंधी दिक्कतों का सामना न करना पड़े। डॉ.सुमन ने बताया है कि स्वयं दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि कॉलेजों में भी शिकायत निवारण समिति, एससी/एसटी सेल, ओबीसी सेल बने लेकिन इस संदर्भ में कॉलेजों को कोई सर्कुलर जारी नहीं किया जाता। डॉ. हंसराज सुमन ने बताया है कि दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर्गत तकरीबन 79 कॉलेज हैं। जिनमें स्नातक तथा स्नातकोत्तर की पढ़ाई होती है। इन कॉलेजों में हर साल स्नातक स्तर पर विज्ञान, वाणिज्य व मानविकी विषयों में 70 हजार से अधिक विद्यार्थी प्रवेश लेते हैं। भारत सरकार की आरक्षण नीति व डीओपीटी के अनुसार सामान्य वर्ग की सीटों के अनुपात में ही अनुसूचित जाति -15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति -7.5 प्रतिशत, अन्य पिछड़ा वर्ग(ओबीसी) -27 प्रतिशत, के अलावा पीडब्ल्यूडी, ईडब्ल्यूएस आदि को उनके आरक्षण के हिसाब से प्रवेश के लिए सीटें उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने चिंता जताई है कि हर साल एससी/एसटी व ओबीसी श्रेणी के छात्रों की सीटें खाली रह जाती हैं।

'वोटाथन- 24' में आईपी यूनिवर्सिटी के ईस्ट कैंपस के छात्रों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

जिला निर्वाचन कार्यालय, शाहदरा द्वारा सूरजमल विहार स्थित यमुना स्पोर्ट्स ग्राउंड में आज आयोजित 'वोटाथन- 24' में आईपी यूनिवर्सिटी के ईस्ट कैम्पस के 60 छात्रों ने भी भाग लिया।

इस कार्यक्रम के लिए यूनिवर्सिटी के नोडल अधिकारी सुमंत शर्मा ने बताया कि मतदान के लिए युवाओं को जागरूक एवं प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित इस मैराथन दौड़ में यमुनापार के तकरीबन 700 युवक- युवतियों ने भाग लिया जिसमें आईपी यूनिवर्सिटी के ईस्ट कैम्पस के 60 छात्र- छात्राओं ने भी भाग लिया। इस मैराथन दौड़ को शाहदरा की उपायुक्त रिशिता गुप्ता एवं उसी परिक्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विष्णु कुमार ने संयुक्त रूप से झंडी दिखाकर रवाना किया।यह मैराथन दौड़ साढ़े तीन किलोमीटर के दो पार्ट में विभाजित था। सुमंत शर्मा ने बताया कि सुबह छह बजे यह मैराथन दौड़ शुरू हो गई थी। इतनी सुबह भी युवाओं की अच्छी-खासी भीड़ थी। इससे परिलक्षित होता है कि युवा मतदान को लेकर कितने उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि देश में इस बार सबसे ज्यादा युवा मतदाता है।

राजधानी में पारा 38 डिग्री पार पहुंचने के आसार!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली का मौसम इन दिनों कभी गर्म कभी नर्म वाला रुख अपनाए हुए दिखता है। अप्रैल के महीने का एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद भी दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से 4 डिग्री नीचे दर्ज हुआ है। वहीं अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री ज्यादा दर्ज हुआ। जबकि अगले सप्ताह में दिल्ली में बारिश की संभावना बन रही है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान विभाग दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार रविवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से चार डिग्री नीचे 16.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं अधिकतम तापमान 35.6 डिग्री दर्ज हुआ। आईएमडी ने अनुमान जताया कि आने वाले दिनों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 38 डिग्री या उससे भी ऊपर दर्ज हो सकता है। जबकि इसी बीच 13 अप्रैल को दिल्ली में बारिश की संभावना बन रही है। इससे पहले तापमान एक दो डिग्री ऊपर नीचे दर्ज हो सकता है। इस बीच तेज हवाएं चल सकती है।

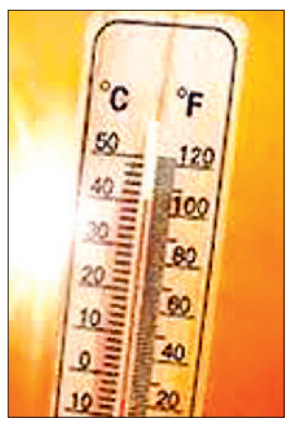

ललित नारायण मिश्र हत्याकांड

हाईकोर्ट ने पोते की याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने 48 साल पहले बिहार के समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर पूर्व रेल मंत्री ललित नारायण मिश्र की हत्या की निष्पक्ष तरीके से फिर से जांच कराने की उनके पोते की याचिका 16 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली पीठ ने वैभव मिश्र की अर्जी दोषियों की एक अपील के साथ सूचीबद्ध की। अपील में, हत्या के लिए दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 13 अक्टूबर को वैभव को दोषियों की अपील पर अंतिम सुनवाई में सहायता करने की अनुमति दी थी, जिसके बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री के पोते ने हाईकोर्ट का रुख किया।

न्यायमूर्ति मनोज जैन की सदस्यता वाली पीठ ने हालिया आदेश में कहा कि मौजूदा अर्जी विशेष अवकाश याचिका (आपराधिक) संख्या 13467/2023 वैभव मिश्र बनाम सीबीआई व अन्य पर सुप्रीम कोर्ट के 13 अक्टूबर 2023 के आदेश के बाद दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत दायर की गई है। पीठ ने कहा कि यह अर्जी मुख्य अपील सीआरएल.ए. 91/2015 के साथ 16 मई 2024 को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की जाए।कांग्रेस नेता और वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री ललित नारायण मिश्र दो जनवरी 1975 को समस्तीपुर में ग्रेनेड विस्फोट में घायल हो गए थे, जहां वह बड़ी लाइन के उद्घाटन के लिए गए थे। उन्हें इलाज के लिए समस्तीपुर से दानापुर ले जाया गया था।

खबर संक्षेप

जरूरतमंद परिवारों को चावल व कापियां बांटी

सोनीपत। सामाजिक कार्यों में सेवारत संस्था समाज सेवा समिति द्वारा 1000 जरूरत मंद परिवारों व छात्र छात्राओं हेतु 42 वा चावल व कापियां वितरण समारोह गीता भवन शहर के विशाल प्रांगण में दर्शनीय देश भक्ति व लोक नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुति से आरंभ हुआ। इस समारोह में गरिमामयी उपस्थिति अतिथि राजपाल चुग, राजीव जैन भाजपा नेता, पवन गोयल उपाध्यक्ष हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल, दीक्षित हसीजा प्रसिद्ध समाजसेवी केएल तनेजा ,डीसी गेरा, कैलाश गुप्ता गीतांजलि गार्डन रहे।

पुलिस ने ग्रामीण क्षेत्र में निकाला फ्लैग मार्च

बहादुरगढ़। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस प्रशासन में मुस्तैद है। लगातार फ्लैग मार्च निकाले जा रहे हैं। इसी सिलसिले में रविवार को बहादुरगढ़ सदर थाना क्षेत्र के गांवों में फ्लैग मार्च निकाला गया। माजरा, डाबोदा, सिद्दीपुर, लोवा, इस्सरहेड़ी सहित थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पुलिस का काफिला गुजरा। सदर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने इस मार्च की अगुवाई की। इस दौरान कुछ जगहों पर पुलिस ग्रामीणों से रूबरू हुई। पुलिस प्रशासन ने लोगों को चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने का भरोसा दिलाया।

भाजपा नेता का पटका पहनाकर किया स्वागत

श्रीमद् भागवत कथा में जमकर झूमे श्रद्धालु

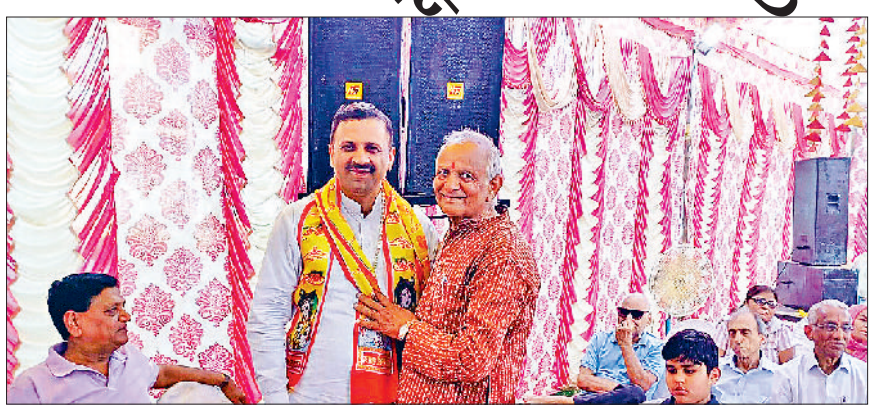

सोनीपत। तरूण को पटका पहनाते हुए स्थानीय निवासी। *फोटो : हरिभूमि*

श्रीमद् भागवत कथा सुनने से आध्यात्मिक विकास और भगवान के प्रति भक्ति गहरी होती है : तरुण देवीदास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

शहर के सेक्टर 15 स्थित छोटा पार्क में स्थानीय निवासियों द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर भाजपा नेता तरुण देवीदास ने शिरकत की। मंदिर समिति द्वारा भाजपा नेता तरुण देवीदास का पटका एवं फूल मालाओं से स्वागत किया गया। कार्यक्रम में कथा वाचक डॉ विष्णु दत्त गौड़ ने बाल लीला माखन चोरी गोवर्धन पूजा की कथाएं सुने और भक्त जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भाजपा नेता तरुण देवीदास ने बताया कि श्रीमद् भागवत पुराण को भगवान कृष्ण का साहित्यिक अवतार माना जाता है। श्रीमद् भागवत कथा सुनने से आध्यात्मिक विकास और भगवान के प्रति भक्ति गहरी होती है। श्रीमद् भागवत कथा स्वयं की प्रकृति और परम वास्तविकता के बारे में सिखाती है। उन्होने कहा भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित अनेक ग्रंथों व पुराणों की रचना की गई है। लेकिन उन सभी में श्रीमद्भागवत को सबसे सटीक माना गया है। धर्म शास्त्रों के अनुसार, श्रीमद्भागवत का पाठ करने से पुण्य मिलता है और पापों का नाश होता है, लेकिन वर्तमान समय में संपूर्ण भागवत पढ़ने का समय शायद ही किसी के पास हो। उन्होंने कहा श्रीमद् भागवत कथा में बैठने मात्र से ही मन से नकारात्मकता समाप्त होती है और जीवन में एकाग्रता आती है। कार्यक्रम के पश्चात एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सुरेंद्र गुप्ता, पुरुषोत्तम शर्मा, मुकेश शर्मा, सुमित्रा, कमलेश, मंजू गुप्ता आदि गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामई उपस्थिति रहे।

महर्षि कश्यप के जीवन से सीख लेने की जरूरत : देवेंद्र

- शेखपुरा में कश्यप समाज द्वारा कादियान का किया जोरदार स्वागत, स्मृति चिन्ह भेंट कर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गन्नौर। शेखपुरा में महर्षि कश्यप जयंती पर समाजसेवी देवेंद्र कादियान को स्मृति चिन्ह भेंट करते लोग। **फोटो : हरिभूमि**

देवा सोशल वेलफेयर सोसायटी संस्थापक एवं समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने कहा कि समाज में बहुत सारे ऐसे महापुरुष हुए है, जिन्होंने न केवल कश्यप समाज, बल्कि पूरे समाज को अच्छा रास्ता दिखाने का काम किया। इसलिए उन्हें हर वर्ग याद करता है। महर्षि कश्यप उनमें से एक थे। समाजसेवी देवेंद्र कादियान रविवार को गांव शेखपुरा में महर्षि कश्यप जयंती कार्यक्रम में बोल रहे थे। यहां कश्यप समाज की ओर से पहली बार कश्यप चौपाल में उत्साह व हर्षोल्लास के साथ महर्षि कश्यप जंयती मनाने के साथ विशाल भंडारा लगाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्यातिथि समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने महर्षि कश्यप की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया। इससे पहले ग्रामीणों ने कार्यक्रम में पहुंचने पर कादियान जोरदार स्वागत किया। समाजसेवी कादियान ने कहा कि महर्षि कश्यप का नाम महान सप्त षियों में आता है। हम सभी को उनके द्वारा दर्शाए मार्ग पर चलकर सभ्य समाज की संरचना में सहयोग देने की जरूरत है। तभी हम युवा पीढ़ी के प्रेरक और अनुकरणीय सीख दे सकते है। बदलते परिवेश में देखा जाए तो हमारी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति वर्तमान में भी हमारा मार्ग दर्शन कर रही है। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों ने मुख्यातिथि देवेंद्र कादियान को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सरपंच कर्मबीर उर्फ कर्मा, अगवानपुर सरपंच मंजीत कुमार, बिल्लू शेखपुरा, बलवान कश्यप, श्रीराम कश्यप, ओमप्रकाश कश्यप, सुरेंद्र कश्यप, मामन कश्यप, शिपु कश्यप, संजू कश्यप आदि मौजूद रहे।

भावड़ में ग्रामीण को डंडों से पीटा

गोहाना। गांव भावड़ के सुरजीत ने पुलिस को बताया कि गांव में उसका प्लाट है, जिसमें वह मिट्टी डलवा रहा है। वह प्लाट पर गया तो चारदीवारी पर कुछ उपले रखे थे। उसने कहा कि उपले किसने रख दिए। इसके बाद उसके प्लाट के निकट मकान से हरजीत व उसका भाई अमरजीत डंडे लेकर आए और बोले ये उपले हमने रखवाए हैं। उसे कहा कि तेरे को ज्यादा बालने का मजा चखाते है। इसके बाद दोनों ने उसे डंडों से पीटना शुरू कर दिया। उसने शोर मचाया तो आसपास में रहने वाले ग्रामीण मौके पर आए। आरोपित जान से मारने की धमकी देर चले गए। स्वजन उसे नागरिक अस्पताल गोहाना लेकर आए।

नेत्र कैंप मे 136 मरीजों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। जांच शिविर के दौरान चैकअप करते हुए कर्मचारी।

सेफ इंडिया फाउंडेशन व अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन जिला सोनीपत इकाई, महिला व युवा जिला इकाई, श्री श्याम बाला जी सेवा मंडल, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत एक्सीलेंस, कृष्णा सेवी श्याम मिष्ठान भण्डार,हमारा परिवार मातृशक्ति ईकाई द्वारा शम्भूदयाल स्कूल मे आयोजित मेगा स्वास्थ्य जाँच कैंप का 136 मरीजों ने लाभ लिया। सेफ इंडिया फाउंडेशन के प्रधान संजय सिंगला व चेयरमैन वाई के त्यागी ने बताया कि हर महीने के पहले रविवार को यह कैंप लगेगा ताकि जरूरतमंद लोग अपना इलाज करवा सके। सम्मेलन के प्रधान अनिल गुप्ता व महासचिव एडवोकेट अरविन्द मित्तल ने बताया कि सिग्नस अस्पताल की टीम द्वारा 136 मरीजों के शुगर बीपी, ईसीजी व स्वास्थ्य जाँच की गई। आँखों के 58 मरीजों की जांच संजोग अस्पताल के डॉक्टर रिया द्वारा की गई जिसमे से 3 मरीजों के हस्पताल द्वारा मुफ्त मे ऑपरेशन किये जायेंगे,डॉक्टर वरुण शर्मा व डॉक्टर इरफान द्वारा 30 मरीजों के दांतो का चेकअप किया गया। 56 रक्तदाताओं ने रोटरी ब्लड बैंक की टीम को रक्तदान किया व रोटरी द्वारा रक्तदाताओं को उपहार मे हेलमेट दिया गया ,वर्मा लैब द्वारा मुफ्त मे टेस्ट किये

विधायक ने सेक्टवासियों की सुनी समस्याएं

- एचएसवीपी व नगर निगम अधिकारियों का समस्याओं का समाधान करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। विधायक सुरेंद्र पंवार सेक्टरवासियों की समस्याएं सुनते हुए।

विधायक सुरेंद्र पंवार ने सेक्टर-13 में पहुंचकर सेक्टरवासियों की समस्याएं सुनी। सेक्टरवासियों ने बताया कि सेक्टर-13 की ग्रीन बैल्ट की चारदिवारी को तारों के साथ ऊंचा करवाया जाए, इसके साथ ही सेक्टर-13 में पेयजल किल्लत का समाधान करवाया जाए। विधायक सुरेंद्र पंवार ने मौके पर ही एचएसवीपी व नगर नगम अधिकारियों को जल्द से जल्द दोनों समस्याओं के समाधान का निर्देश दिया। सेक्टरवसियों ने बताया कि सेक्टर-13 में गर्मी के मौसम में पेयजल किल्लत गहरा जाती है। पहले ट्यूबवैल्स के जरिये सेक्टर में पेयजल सप्लाई होती थी। लेकिन करीब दो से तीन महीने पहले यमुना के पानी की सप्लाई सेक्टर में की जाती है। लोगों का कहना था कि दोनों ही सेक्टर में एक साथ सप्लाई दी जाती है, जिसकी वजह से अंतिम छौर तक पानी नहीं पहुंचता। उन्होंने मांग की है कि यमुना के पानी के साथ-साथ ट्यूबवैल के पानी की भी सप्लाई की जाए।

भारतीय संघों की ब्रांचों का अधिवेशन सम्पन्न

सोनीपत। भारतीय डाक कर्मचारी संघ क्लास 3 व भारतीय डाक कर्मचारी संघ पोस्ट मैन व एमटीएस भारतीय ग्रामीण डाक सेवक संघ सोनीपत मंडल ब्रांच का द्वार्षिक अधिवेशन हेडगवार भवन सोनीपत मे सयुक्त रूप से कुलदीप धीमान केंद्रीय मुख्यालय खजांची व अमित कुमार परिमंडलीय सचिव क्लास 3 तथा विशाल सैनी मंडलीय प्रधान की देख रेख मे सम्पन्न हुआ। जिसमे बीपीईए क्लास 3 से विशाल सैनी मंडलीय प्रधान व जयपाल दहिया मंडलीय सचिव व ईश्वर सिंह खजांची तथा बीपीईए पोस्टमैन व एमटीएस से शोभित मंडलीय प्रधान व संदीप धीमान मंडलीय सचिव अंकित आदि मौजूद रहे।

मर्यादाओं का पालन करने वाले महापुरुष थे श्री राम: जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं व अन्य को संबोधित करते हुए।

मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव जैन ने कहा है कि सफल राजनेता बनने के लिए भगवान श्रीराम के चरित्र को आत्मसात करना चाहिए। भगवान श्रीराम गरीबों के मसीहा, प्रकृति के प्रेमी, विकट परिसिथतियों में भी दोस्त बनाने की कला, दुश्मन के साथ युद्ध में भी मर्यादाओं का पालन करने वाले महापुरुष थे। राजीव जैन रविवार को विकास नगर मुरथल रोड पर आयोजित भव्य श्री राम कथा में महंत गोपाल दास जी का आशीर्वाद लेने के बाद श्रधालुओं को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भगवान राम हमारे आदर्श ना होते तो 496 वर्ष तक मंदिर बचने और बनाने के लिए लाखों लोग अपना बलिदान ना देते। उन्होंने कहा कि सभी राजनैतिक दल राम राज्य की कल्पना को साकार करने का वायदा इसलिए करते हैं कि राज्य में सभी के साथ राजा का समान वयवहार था और इसी नक्शे कदम पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चल रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज का भाईचारा, प्यार, प्रेम बढ़ता है। खाटूश्याम मंदिर (सोनीपत धाम) में दीपक शर्मा परिवार द्वारा बेटे के जन्मदिन पर आयोजित कीर्तन में माथा टेकने के बाद राजीव जैन ने कहा कि खाटूश्याम का भगवान के एक आदेश पर दिए शीश के बलिदान ने राजा से भगवान बना दिया, यही भाव भगवान के प्रति हमारे मन में होने चाहिए। इस अवसर पर नन्द किशोर, राकेश, अनुज मंगला, राजीव गोयल, संजीत दहिया, प्रवीण मित्तल, आनंद शर्मा, धर्मवीर शर्मा आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

बुजुर्ग को तीन माह की नही मिली पेंशन

गन्नौर। भले ही सरकार द्वारा बुजुर्गों को समय पर पैंशन देने के दावे किए जाते है लेकिन एक साल गुजर जाने के बाद भी बुजुर्ग की तीन महीने की बुढापा पैंशन खाते में नही आई है। कई महीने परेशान होने के बाद बुजुर्ग ने सीएम वींडो में मुख्यमंत्री को शिकायत देकर अपनी 3 अक्तुबर 2023 को अपनी पैंशन के लिए गुहार लगाई। गांव लल्हेड़ी कलां गांव का बुजुर्ग प्रभु मलिक करीब 6 महीने का समय गुजरने के बाद भी बुजुर्ग पैंशन के लिए अधिकारियों से गुहार लगा रहा है लेकिन कोई उनकी सुनने वाला नही है। बुजुर्गों ने समय पर बुढापा पैंशन बुजुर्गों के खाते में न भेजने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बुजुर्ग प्रभु ने बताया कि पैंशन के लिए सीएम वींडो पर शिकायत करने के 6 माह बाद भी कोई कार्रवाई नही हुई है। उनकी पैंशन अप्रैल, मई, जून 2023 की खाते में नही आई है। डीएसडब्ल्यूओं रविन्द्र हुड्डा ने बताया कि आज रविवार को कार्यालय में अवकाश है। वे तो रिकार्ड देखकर ही बता पाएंगे कि बुजुर्ग की पैंशन न आने का क्या कारण है।

शराब की अवैध आवाजाही व बिक्री की सूचना व शिकायतों के लिए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित: डॉ. मनोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

- संदिग्ध लोगों व स्थानों पर कड़ी नजर रखते हुए जिला में अवैध शराब की सप्लाई को रोकने में सजगता रखी जाएगी
- आबकारी विभाग के अधिकारियों के साथ चेकिंग जैसे कार्यों में पुलिस विभाग की डयूटी रहेगी, किसी भी हाल में ढिलाई नहीं बरती जाएगी

आबकारी एवं कराधान विभाग हरियाणा की ओर से लोकसभा आम चुनाव 2024 के दौरान शराब की अवैध आवाजाही के संबंध में शिकायतों के लिए नियंत्रण कक्ष की जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ० मनोज कुमार के निर्देशों पर स्थापना की गई है। जिसमें शिकायतें/सूचना नियंत्रण कक्ष के टेलीफोन टोल फ्री नंबर पर दर्ज की जा सकती है। कोई भी व्यक्ति शराब की किसी भी अवैध आवाजाही या बिक्री के संबंध में अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है या सूचना दे सकता है। उन्होंने बताया कि आमजन लोकसभा आम चुनाव के दौरान आचार संहिता के संचालन के दौरान हरियाणा राज्य में शराब की अवैध आवाजाही, बिक्री एवं नकली शराब से संबंधित शिकायतें देने व प्राप्त करने के लिए आबकारी एवं कराधान विभाग, हरियाणा द्वारा प्रधान कार्यालय, पंचकूला में राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। उपायुक्त ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव के दौरान जिला में अवैध रूप से शराब की बिक्री न हो, इसके लिए संबंधित विभाग तत्परता से निगरानी करें और समय-समय पर अधिकृत शराब ठेकों पर रिकॉर्ड भी चेक करें। किसी भी हाल में जिला में अवैध शराब ना मिले। अगर कहीं भी अवैध शराब पाई गई तो संबंधित लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि संदिग्ध लोगों व स्थानों पर कड़ी नजर रखते हुए जिला में अवैध शराब की सप्लाई को रोकने में सजगता रखनी है। इसके अलावा अवैध व नकली शराब की बिक्री जैसी गतिविधियों पर पुलिस प्रशासन द्वारा कड़ी नजर रखी जाएगी। आबकारी विभाग के अधिकारियों के साथ चेकिंग जैसे कार्यों में पुलिस विभाग की डयूटी रहेगी। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी गांव स्तर पर सरपंच, नंबरदार, पटवारी तथा ग्राम सचिव की सूचना आबकारी एवं कराधान विभाग के अधिकारियों को मुहैया करवाएं।

गोहाना। पौधों की निराई-गुड़ाई करते हुए संगठन के सदस्य।

संगठन ने सिटी थाना परिसर व आसपास 16 पौधे रोपे

गोहाना। समाज कल्याण संगठन ने रविवार को अपने साप्ताहिक पौधारोपण अभियान में गोहाना सिटी थाने और निकटवर्ती क्षेत्र में 16 नए पौधे रोपे। ये पौधे अमरूद, जामुन, नीम और पापड़ी के लगाए गए। समाज कल्याण संगठन दो दशक से गोहाना शहर को ग्रीन सिटी बनाने का बीड़ा उठाए हुए है। इसी क्रम में हर रविवार को सार्वजनिक स्थलों पर नए पौधे रोपे जाते हैं तथा वहां पहले से लगे हुए पुराने पौधों की नियमित रूप से देखभाल की जाती है। इस बार पौधारोपण कॉलेज मोड़ से जींद रोड और इसी रोड पर स्थित गोहाना सिटी थाने में किया गया। पौधारोपण की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की। एक पुराना पौधा सूखा मिला। उसे भी बदल दिया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के पास, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के पास, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

कठोर परिश्रम व अनुशासन सफलता के आधार : मान

गोहाना। जीवन में सफल बनने के लिए कठोर परिश्रम के साथ अनुशासन का बहुत महत्व है। किसी भी विद्यार्थी में ये दोनों गुण उसके जीवन में सफलता का आधार बनते हैं। यह बात खरखौदा रोड स्थित मान इंटरनेशनल स्कूल के एमडी दीपक मान ने कही। उन्होंने विद्यार्थियों को कॅरियर निर्माण के आवश्यक टिप्स दिए और लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। एमडी दीपक मान ने कहा कि 10वीं की परीक्षा पास करने के बाद विद्यार्थी के समक्ष कॅरियर निर्माण के लिए एक शैक्षणिक क्षेत्र का चुनाव करने की चुनौती होती है। विद्यार्थी को बिना किसी दबाव के अपने माता-पिता व गुरुजनों से सलाह लेकर अपनी रूचि के अनुसार विषय का चुनाव करने की जरूरत होती है।

गांव खांडा के निमोहीं अखाड़ा मठ में विधि-विधान से होगा आयोजन

स्वामी रामानंद की प्रतिमा की जाएंगी स्थापित

स्वामी रामानंद जी का न केवल राम भक्ति के प्रचार में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, बल्कि सिखों में भी उनका आदर मान है

हरिभूमि न्यूज . खरखौदा

स्वामी रामानंद जी महाराज की स्थापित की जाने वाली प्रतिमा।

गांव खांडा के निमोहीं अखाड़ा मठ में 15 वीं शताब्दी के महान संत स्वामी रामानंद जी की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। स्वामी रामानंद जी का न केवल राम भक्ति के प्रचार में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, बल्कि सिखों में भी उनका आदर मान है, क्योंकि उनकी वाणी गुरु ग्रंथ साहब में शामिल की गई है। केंद्र सरकार में वरिष्ठ अधिकारी एवं निमोहीं अखाड़ा के मुख्य सलाहकार डॉ राज सिंह ने बताया कि रामानंदी संप्रदाय के संस्थापक स्वामी रामानंद जी को राम भक्ति को संपूर्ण उत्तर भारत में विस्तारित करने का श्रेय जाता है। 15 वीं शताब्दी में स्वामी रामानंद जी ने राम भक्त को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अनेक सामाजिक सुधार किये। उन्होंने जाति परंपरा को धर्म में बिल्कुल महत्वहीन कर दिया। उनका संदेश था की हर व्यक्ति को भक्ति और पूजा पाठ करने का अधिकार है। भक्ति का जाति से कोई संबंध नहीं है। जो भी राम को भजे वह राम का है चाहे वह किसी भी जाति का हो। वैसे तो स्वामी रामानंद जी एक तमिल ब्राह्मण थे लेकिन उत्तर भारत उनका धर्म प्रचार क्षेत्र रहा।उन्होंने सभी जातियों के व्यक्तियों को धर्म की दीक्षा दी। जिनमें धन्ना जाट, कबीर, रैदास ,सैन भक्त, राजा पीपाजी अनंतानंद जी आदि अनेक संत शामिल थे। लंदन विश्वविद्यालय के शोध दै फाइंडिंग आफ रामानंदी सैक्ट के अनुसार जाति प्रथा को खत्म करने का यह प्रथम संगठित प्रयास था। स्वामी रामानंद जी ने स्वामी रामानुजाचार्य की परंपरा को कुछ संशोधन के साथ आगे बढ़ाया। स्वामी रामानुजाचार्य के संप्रदाय में जहां भक्ति का मुख्य केंद्र भगवान विष्णु थे। वहीं रामानंद जी ने भगवान राम को भक्ति का मुख्य केंद्र बना दिया। वास्तव में उत्तर भारत में राम भक्ति को इतना अधिक प्रचारित और सरल करने का श्रेय स्वामी रामानंद जी को ही जाता है। रामानंदी संप्रदाय के अनेक अखाड़े हैं जिन्हें वैष्णव या बैरागी अखाड़े भी कहा जाता है। निमोहीं अखाड़ा उनमें से एक प्रसिद्ध अखाड़ा है। उत्तर भारत में पहली बार खांडा के निमोहीं अखाड़ा मठ में स्वामी रामानंद जी की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। स्वामी रामानंद जी की प्रतिमा स्थापित करने का उद्देश्य सर्व जाति समभाव का संदेश देना है।उनका संदेश था की हर व्यक्ति को भक्ति और पूजा पाठ करने का अधिकार है। भक्ति का जाति से कोई संबंध नहीं है जिससे आपसी भाईचारे की भावना को और दृढ़ता मिले।